ISSN: 2583-0511 (Online), www.pashupalakmitra.in

दूधारू पशुओं के लिए ग्रीष्मकालीन पोषण प्रबंधन और देखभाल

डॉ. प्रमोद कुमार सोनी

रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी

भारतीय उपमहाद्वीप की उष्णकटिबंधीय जलवायु को ध्यान में रखते हुए, भारत में दूधारू पशुओं के प्रबंधन में गर्मी का तनाव एक बड़ी समस्या है। गर्मी के तनाव से जुड़े सभी परिवर्तनों से उत्पादकता का नुकसान होता है, प्रजनन क्षमता में कमी आती है। हर साल गर्मी के दबाव के कारण दूध उत्पादन में कमी से हमारे देश में भारी वित्तीय नुकसान होता है।
हालांकि मवेशियों की देशी नस्लें अधिक ग्रीष्म सहिष्णु हैं, मवेशियों की क्रॉसब्रेड और विदेशी नस्लें गर्मी के तनाव के प्रतिअत्यधिक संवेदनशील हैं। भैंस अपनी काली त्वचा के कारण इसके लिए अधिक प्रवण होती है ।
आवास प्रबंधन एवं पोषण प्रबंधन से गर्मी के तनाव को कम किया जा सकता है।

गर्मी से तनावग्रस्त पशु के सामान्य लक्षणों में शामिल हैं-

- पशु छाया में चला जाता है।
- पानी का सेवन बढ़ना जबकि आहार का सेवन कम होना।
- लेटने के बजाय खड़े रहना पसंद करते हैं।
- श्वसन दर में वृद्धि और शरीर का तापमानबढ़ना।
- लार के उत्पादन में वृद्धि।
- खुले मुंह हाँफना।

पोषण प्रबंधन और देखभाल

➢गर्मियों के दौरान डेयरी पशुओं की उत्पादकता और दक्षता में भारी गिरावट आती है। चारा और देखभाल दो प्रमुख कारक हैं जिन्हें उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए प्रबंधित करने की आवश्यकता है।

➢गर्मियों के दौरान हरे चारे और तिलहन की उपलब्धता सीमित होती है जबकि कुछ क्षेत्रों में सूखा चारा बहुतायत में उपलब्ध हो सकता है लेकिन गुणवत्ता, पोषण मूल्य और पाचन शक्ति में खराब हो सकता है।

➢दूध उत्पादन और अधिक प्रभावी प्रजनन चक्र के लिए दुधारू पशुओं को किफायती भोजन और संतुलित राशन प्रदान करना आवश्यक है।

➢चारे और सांद्र को खिलाना कुल चारे के 70:30 के अनुपात में होना चाहिए।अनाज और खली के रूप में अतिरिक्त भोजन खिलाने की सलाह दी जाती है।

➢कुल मिश्रित राशन जैसे उच्च गुणवत्ता वाले फ़ीड प्रदान करें। पशु आहार की आवृत्ति बढ़ाएँ। जितना हो सके पशु आहार को ताजा रखें।

➢बायपास प्रोटीन का उपयोग दूध का उत्पादन और प्रोटीन की मात्रा को बढ़ा सकता है।

➢गर्मी के तनाव के दौरान जानवरों के लिए पर्याप्त ठंडे पानी का सेवन संभवतः सबसे महत्वपूर्ण रणनीति है।

➢गर्मियों की स्थिति में 35 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोटीनयुक्त सांद्र मिश्रण खिलाने और दिन में 5 या 6 बार साफ और ठंडा पानी देने का सुझाव दिया जाता है।

➢भोजन पानी और प्रबंधन योजना को अचानक न बदलें। जानवरों को गर्म हवाओं से बचाने के लिए उपयुक्त आवास उपलब्ध कराया जाना चाहिए।